



RAN - 1801130401050001

RAN-1801130401050001**M.A. (Sem. I) Examination November - 2023****Sanskrit (Paper-V)****Puran and History - मत्स्यपुराणं (नियतांश)****Time: 2 Hours]****[Total Marks: 50****सूचना : / Instructions**

(१)

नीचे दशावैल निशानीवाणी विगतो उत्तरवली पर अवश्य लपवी.
Fill up strictly the details of signs on your answer book

Name of the Examination:

M.A. (Sem. I)

Name of the Subject :

Puran and History - मत्स्यपुराणं (नियतांश)

Subject Code No.: 1801130401050001

Seat No.:

Student's Signature

१.

टूंकमां जवाब आपो. (गमे ते पांच)

१०

- (१) मत्स्यपुराण मां आरंभमां कोना-कोना संवादनं वरुनि छे?
- (२) 'पञ्चलक्षणम्' ना प्रथम लक्षण 'सर्ग' नो अर्थ जरावो.
- (३) मत्स्यपुराणमां कया भगवानना कया अवतारनं वरुनि छे?
- (४) शतरूपा कर्ण-कर्ण देवीओना रूपमां प्रख्यात छे?
- (५) श्राद्ध विधिमां कोने-कोने वर्ज्य गरावामां आवे छे?
- (६) उर्वशीने कोणे अने केटवां वर्षोनी शाप आप्यो?
- (७) मत्स्यपुराण नो रचना प्रदेश कयो गराय छे?

२.

श्लोको सानुवाट विवरण करो. (गमे ते बे)

१३

- (१) कथंससर्ज भगवल्लोकनाथश्चराचरम् ।
कस्माच्च भगवानन्विष्णुर्मत्स्यरूपत्वमाश्रितः ॥
- (२) वेदान्प्रवर्तयिष्यामि त्वत्सर्गादौ महीपते ।
एवमुक्त्वा स भगवांस्तत्रैवान्तरधीयत ॥

- (३) साध्या विश्वे रूद्राश्च मरुतो वसवोऽश्विनौ ।
आदित्याश्च सुरास्तद्वत्सप्त देवगणाः स्मृताः ।
- (४) पुराणं सर्वशास्त्राणां प्रथमंब्रह्मा स्मृतम् ।
नित्यं शब्दमयंपुण्यं शतकोटिप्रविस्तरम् ॥

३.	‘अष्टादशमहापुराणं’ नो सविस्तृत परिचय आपो.	१३
	अथवा	
३.	मत्स्यपुराणाना रचनास्थल अने रचनाकाण विशे विगते यर्था करो.	१३
४.	टूंक नोंध लणो. (गमे ते जे)	१४
	(१) मत्स्यपुराणामां सृष्टि-उत्पत्ति विशेना ज्यालो.	
	(२) मत्स्यपुराणामां श्राद्धविधि वर्णन.	
	(३) मत्स्यपुराणाना त्रेप्पनमां अध्यायनुं महत्व.	
	(४) उर्वशी वृत्तान्त.	